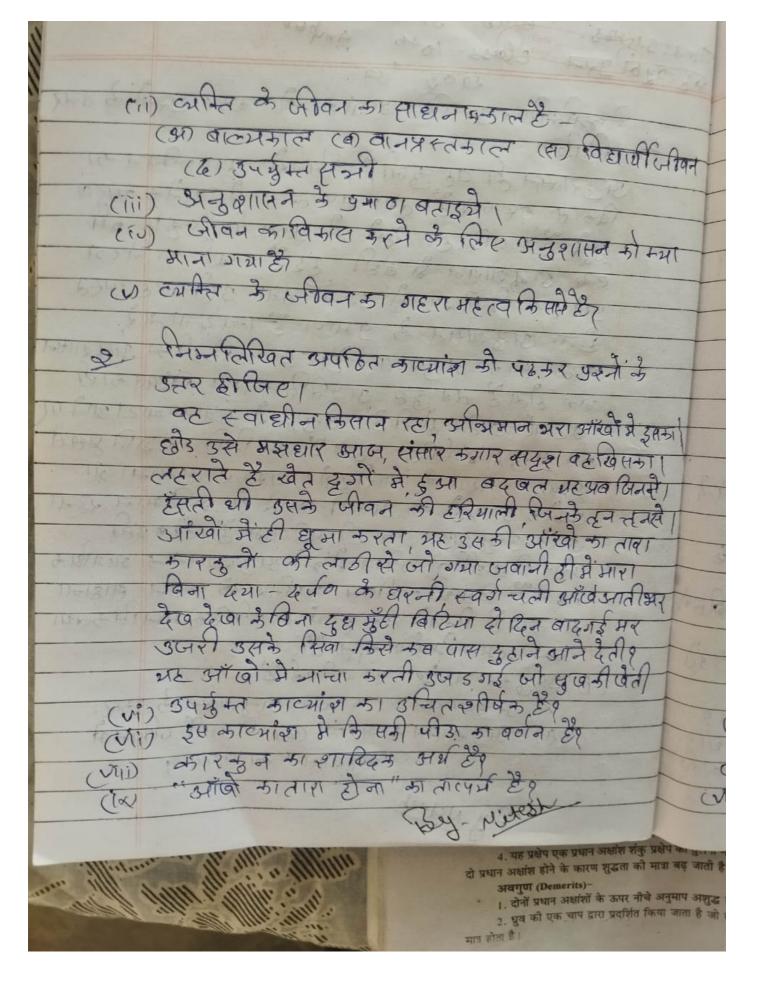
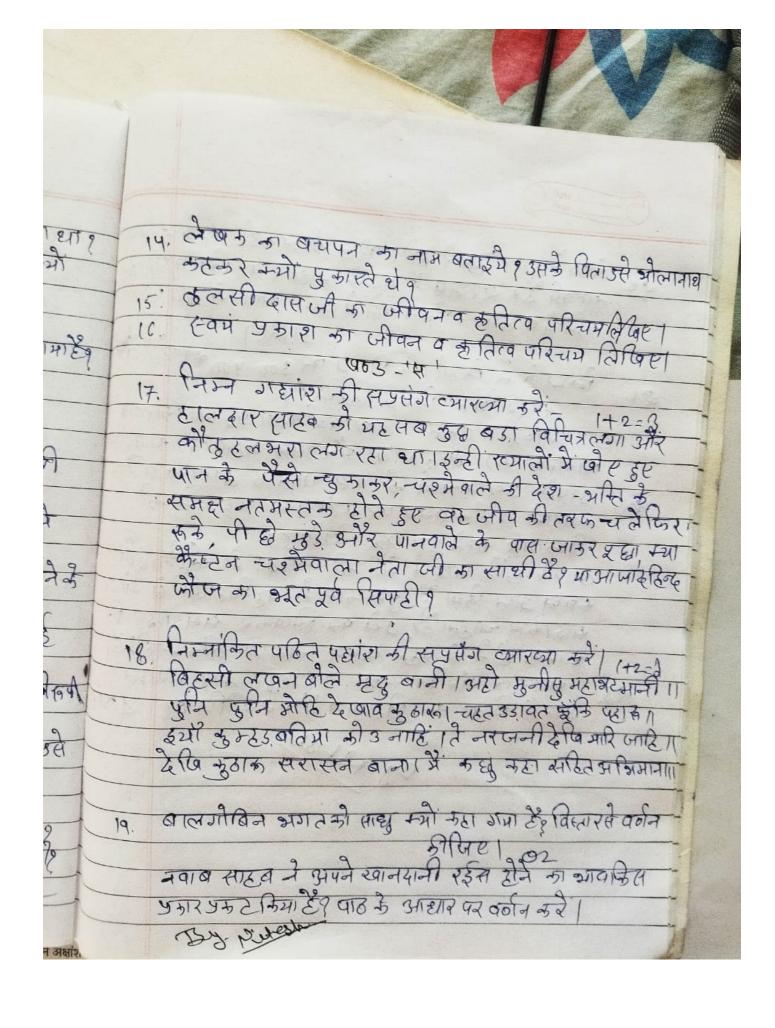
Board Eslam - 2023 me: 3.15Hds. Bub. - Hindi Ecoxof 927 class-10th gmbordant questions M.M. 80 2003. 37 चिक्नीतियत छापिहत ठाहांका की पढ़कर प्रकी के उत्तर Carlae. अनुशासन ही वह दुंजी है, जिससे हम जीवन का विडास उर पाते हैं तथा सप्ललता के अनेक न्यरण खिते हैं। यदि रम देखे ती सम्मनी प्रकृति भी एक अनुशासन के बंधी हुई है। सर्व का नित्य प्रति एक ही दिशा के उमना तथा उसी तरह अस्त हीना अनुशासन के प्रमाण है। न्यं द्रमातारे बादल सबना अनुशासन है। अब फिसीना अनुशासन अंक हीता है तब कुछ अप्रतिशित तबा विद्यान गरी इस्माएँ छाटित होती है। समुद्र में एनार-भारा आने पर भी सम्रुद्ध प्रयोदित रहता है। एम निश्चित शति प्रश्वते प्रकी का सूर्य के नारी और नाम्मर लगाना श्री अने म उपग्रहीं का अपनी अपने से अतिमान रहना उत्रे अमुशासन का ही परिणाम है। ही न उसी अनार विद्यार्थी के जीवन हैं भी अनुसामन ना अत्यिक महत्व ही विद्यार्थी - जीवन ट्यमिन के सहन माहाना मेव का कार है रिमसंसे वह स्वां कारित्र, मानिसकत्या (i) उपश्चम्त श्रांश का क्रीयर्क (अ) अनुशासन के प्रमार (A) अनुशायन का महत्व (क) विद्यार्थी जीवन मे अनुशासन का महत्व। 21: By Nitesh D° और 70° की कोण बनाती रेखायें खींची जो वृत्त खण्ड की परिधि की उन्हीं । शंक प्रक्षेप ता की मात्रा बढ़ जाती है। बिन्दुओं पर काटती हैं। इन अक्षांशों में 40° अक्षांश मध्य में होने के कारण मानक



FOR OTHER SUBJECT - CLICK HERE

	(x) पाउत को की आँखों में पार्क कर के व
वन	(x) पीडित वर्ग की ऑखों में न्यमक कम आती है? (xi) जार्ज पंचम की नाक कहानी का उद्देश्य है?
4.(
	(४१) माता का आंचल कति के रचनाना है
1	The state of the s
-	१ रिस्त स्था में की अर्ति की पिए = :6x1 = 6 (1) जिस किया का फल कर्म पर पड़ता है, उसे करते हैं। (1) अवभव के प्रकार हीते हैं।
	3. CX 1= 6
	(1) जिस् किया का फल कम पर पड़ता है, उस करते हैं
	(11) अवभव के प्रकार होते हैं।
	(गा) वयपन काद् में सूक्त का बीध हीता है।
	iv प्रमाय असर्वनामिक भेव होते हैं।
	(3) 304 41 41 3 HA-1191 CD 219
-1	ए उपसर्ग स्वार के जुड़ कर स्वाद का अर्थ वर्ट हैरें
151)	(1) राज प्रताना शब्द की मूल शब्द एका अल्याकी
	अलग -अलग नी जिल
41	The same of the sa
रहे।	उ. रिक्निसिवत आति धूत्साटमक अरमें के उत्त्लगम्म १० र्या है। के विकिए- १० र्या है। के विकिए- १० र्या है। किसे कहते हैं १ अदी के माम विकिए।
1	े (त्रश्याधारावप साम्य विस्तारमञ्चर मा ३०% वा
	20 D 2 + 1 20 2 1 2 5 th 10 10 10 1
ोभर	(i) erie 13 A BOOK A Plat
roll	(1) कमहास्य समाप्त के दा उपादा विविद्या
	(il) "31100 - \$2601 - \$6100 51 510 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
0	(ID 'अंद्यों में नामाराजा त्यां नामान विकर्त में मारिश
9	(1) स्मेश किसे कहते हैं १ अदि के नाम सिक्टि। (1) के मेशार में समाप्त के दी उदार का लिकिट। (1) "आंखे - म्रेंदिना"- मुहाबर का उन्हों लिकिट। (1) "आंखे - म्रेंदिना"- मुहाबर का उन्हों लिकिट। (1) "आंखे के नाम राजा रे लो की नित का वाम्य में प्योग लिकिट। (1) "अंशों में नाम राजा रे लो की नित का वाम्य में प्योग लिकिट। (1) "अंशों में नाम राजा रे लो की नित का वाम्य में प्योग लिक्टा (1) उद्वा के काम राजा रे लो किस में प्राप्त का नाम में किस मंडसे (1) राम नाम में किस मंडसे
	J 5 8 8 8 8 9 9 11
	TOURING A A
	(क्रिया अस्मा ही) किया असी के निकार के नाम क्रिक्टिंग के में श्री के स्वास किस प्रमुक्ती थी १
	वर्ष नेत की शारायक जनाव
। अक्षांश र	कि प्राप्त गण का काण बनाती रेखायें खींची जो वृत्त खण्ड को परिष्य का उन्हां गोंक
ग गाउँ	गंकु भार नार नार नार नार नार नार नार नार नार न

(14) भगतमा अगतम प्रमान किस बात से प्रकटरीता था। (१) में जिस महापाल का धोर्ट में किन मान्तिमारियों (१) ले जिस के उनकु सार मुदं में कब बजती हैं। (१) भगति में में तेल भी भगति सा पुरुष कि बतामाहैं। eassign By witesty भी पित्रों ने उनपने छना प की अवला और भी ली ड. 'डि ते ब्यारिश हमकी लें आए 'प्रहाँ जो पिने ने ट्यारिश कि हे ब्राया है अरेर म्मों १ ६ परसुराम के की धंकरने पर लहमण ने धनुषस्टानोर्ने लिए कीन -कीन से तर्ज हिए। लहम् ग के कुल में किन-किन पर वीरतामहीदि पाई जाती हैं और अभी व कार्व ते 'श्र प्रमुलर' म्यों कर है तथा उन्हें विसार की करी भी दिर का दीपम क्यों बताता है १ कार्व देव में वस्त का वाल कर प्रमें भी वर्शन निया है १ उसे ज्याने शहदी में विधिए पान वाला कैटरेन के जिसे किसी सो च रखता था १ केपरन भ्रति का न्यवमा बार- 2 म्यो बदलदेता था १ अगत की पत्रवधू उन्हें अनेला म्मी नहीं छोड़ना चाहिए बाल की बिन अगत सद सरस्य बै- पर अगप केंसे कर 10. 12. 13. सकते ही १



र को तियों द्वारा 'स्मारे हरिशारित की तकड़ी' करने का क्या तालपत्र हैं? सरदास के पद के आधार पर लिखिन हा कर कवि देव द्वारा रिन्यत पदों में ध्यान्त भाव-सी दर्भ पर्यम्माश हिन्न में से किसी एक विषय पर 300-400 काव्हों में सार्गित निबंध मिखिए। भार्गित निबंध मिखिए। भार्गित किसी एकता का प्योवरवा प्रथ्या : मारवाव िमवार्ग (स) मातृ भाषा और उसका महत्व (क) अनुशामन अपने प्रधानानार्ध की बस न्यालक द्वारा बसतेल शिनामत करते इए पत्र बिखि हा के महत्वप्रन कार्य के होटे आई में बोर्ड की प्रशिक्षा में महत्वप्रन स्थान अप्त किया है। पुरस्कार में बहु पिताजी से मोद्र साइ कि ल न्याहता है। उसे पत्र लिखकर समझाइए कि वयस्य हीने से पहले वाहन न्यलामा कीन मही है। सत्मार संगीत समा, उदयपुर दारासंगीत प्रतिमे शिता का विज्ञापन समार दीपिए प्रांद

FOR OTHER SUBJECT - CLICK HERE